एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

ताइवान पपीता की खेती

(*तेंदुल चौहान[1], सरजेश कुमार मीना[2] एवं कुलदीप हरियाणा[3])
[1]उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़, राजस्थान
[2]उद्यान विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
[3]महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
*संवादी लेखक का ईमेल पता: tendulchouhan@gmail.com

वर्तमान में अधिकांश किसान परंपरागत खेती (Traditional Farming) को छोड़कर विभिन्न प्रकार की फसलों के उत्पादन में रुचि ले रहे हैं। आज देश के कई राज्यों में ताइवान पपीता (Taiwan Papaya) की खेती कर अच्छे पैसे कमा रहे हैं। दरअसल, सामान्य प्रजाति का पपीता लगभग एक वर्ष में फल देना शुरू करता है और कुछ पौधे फल नहीं देते। जबकि ताईवान रेड लेडी के सभी पौधे फल देते हैं |

इसकी विशिष्टता यह है कि इसमें अतिरिक्त निरीक्षण की आवश्यकता नहीं है। ताईवान रेड लेडी किस्म का पौधा भी लगभग दो वर्ष तक फल देता है। इसलिए अधिकांश किसान ताइवान में पपीता की खेती करने में अधिक रुचि ले रहे हैं। ताइवान पपीता की खेती कैसे की जा सकती है? आप इसके बारे में यहाँ पूरी जानकारी मिलेगी। ताईवान पापाया (Taiwan Red Lady) की जानकारी भी दी जाती है।

ताइवान पपीता की खेती कैसे करें

ताईवान रेड लेडी पपीते (Taiwan Red Lady Papaya) के पौधे के लिए एक जगह चुनें जहाँ पर्याप्त सूर्य प्रकाश मिलता है। 20 से 30 फीट लंबा पौधा 8 से 10 फीट की दूरी पर रखना चाहिए। Red Lady 786 दोलिंगी है। पपीते के पौधों को छंटने की जरूरत नहीं है, लेकिन आवश्यकतानुसार मृत पत्ते निकालते रहना चाहिए। पौधों को नियमित रूप से पानी देना चाहिए ताकि मिट्टी नम रहे। मौसम और मिट्टी दोनों आवृत्ति को प्रभावित करते हैं। रेतीली मिट्टी को गर्म मौसम में हर एक से दो दिन में पानी देना चाहिए, जबकि दोमट मिट्टी को हर तीन से चार दिनों में पानी की जरूरत होती है। मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवारों को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए पपीते के तने से 8 से 12 इंच की दूरी पर गीली घास की 2 से 6 इंच की परत डालें |

पपीते के पेड़ों को पूर्ण विकास के लिए नियमित रूप से उर्वरक देने की आवश्यकता होती है | युवा पेड़ों को प्रत्येक 14 दिनों में उर्वरित किया जाना चाहिए, जबकि स्थापित पौधों को हर दूसरे महीने केवल उर्वरक की आवश्यकता होती है। महीने में एक बार जिंक और मैंगनीज सहित तत्वों के साथ पौधों को देना चाहिए।

ताइवान पपीते के पौधे की रोपाई (Taiwan Papaya Plant Transplant)

जब पपीता का पौधा अंकुरित होकर 3 इंच का हो जाता है, तो उसे ग्रो बैग में ले जाना चाहिए। यह पौधे की वृद्धि और वृद्धि को तेज करता है। पौधा अभी कमजोर होगा, इसलिए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। आप पौधे को ग्रो बैग में दो महीने तक या 10 से 12 सेंटीमीटर की ऊंचाई तक छोड़ दें। आपके पपीते के पौधे को फिर से लगाने का समय है जब उसकी ऊंचाई लगभग 10 सेंटीमीटर हो जाती है।

ताइवान पपीते के पौधे की सिंचाई (Taiwan Papaya Plant Irrigation)

पपीते के पौधो को खासकर शुरुआती दौर में बहुत कम पानी की जरूरत होती है। रोपाई के बाद पहले कुछ महीनों में पर्याप्त पानी देने से पौधे का आधार ऊंचाई में न बढ़ते हुए मोटा होने में मदद करता है। अधिक पानी से पपीते का पौधा लंबा होने की संभावना बढ़ जाती है और ऊंचे पेड़ों के साथ, इसके टूटने या गिरने का खतरा अधिक होता है। पहले 4-5 महीने तक कम से कम पानी और इसके बाद धीरे-धीरे पानी बढ़ाना चाहिए। फूलों के मौसम के दौरान यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि पर्याप्त पानी हो और फलने के मौसम में पानी की मात्रा बढ़ा देंना चाहिए।

वयस्क पपीते के पौधे को रोजाना 6-8 लीटर पानी देना है, जो कि काफी कम है बाकी पौधों की तुलना में जो 15-16 लीटर पानी की आवश्यकता हैं। यह ध्यान रखें कि पानी को तने पर नहीं डालना चाहिए और बहुत ज्यादा समय तक पानी नहीं देना चाहिए, क्योंकि इससे जड़ सड़ सकती है। अच्छा है, पौधों की सेहत के लिए बेहतर तकनीक का उपयोग करना!

पपीते के पौधे की समस्या (Papaya Plant Problem)

वायरल रोग जैसे- पपीता रिंगस्पॉट वायरस इन पेड़ों के सामने आने वाली सबसे गंभीर समस्याओं में से एक हैं। हालाँकि इस प्रकार के वायरस का कोई उपचार नहीं है, ऐसे में आपको वायरस से प्रभावित पौधों को नष्ट कर देना चाहिए। वायरल संक्रमण के लक्षणों में पीले रंग के धब्बेदार पत्ते, अवरुद्ध और विकृत विकास और फल पर पीले रंग के धब्बे शामिल हैं |

खराब जल निकासी वाली मिट्टी और अधिक पानी देने से जड़ सड़ सकती है। पेड़ एन्थ्रेक्नोज से भी पीड़ित हो सकते हैं | दरअसल यह एक कवक रोग है, जो फल पर धब्बे का कारण बनता है जो समय के साथ बड़े और गहरे हो जाते हैं। इस स्थिति के इलाज में कॉपर स्प्रे का उपयोग किया जा सकता है।

कीट नियंत्रण (Pest Control)

पपीते के पौधों में स्पाइडर माइट्स, नेमाटोड और फ्रूट फ्लाई आम समस्याएं हैं।

कीट	कीटनाशक का नाम
मकड़ी की कुटकी	फास्फामिडोन:0.05% या मिथाइल पैराथियान :0.04%
नेमाटोड	कार्बोफ्यूरन :2KG प्रति हेक्टेयर या नीम की खली
फल का कीड़ा	डाइमेथोएट 0.1%

ताईवान रेड लेडी पपीता का उत्पादन और बिक्री

आपकी जानकारी के लिए बता दें, ताईवान पपीता लगभग 8 महीने में तैयार हो जाता है और पेड़ लगभग 2 वर्ष तक फल देता है। इसमें 2.5 से 3 क्विंटल पपीता होता है और यहां की मुख्य मार्केट्स रांची, छत्तीसगढ़, और बंगाल में हैं। इस पपीते की मांग ज्यादा है और बाजार में किलोग्राम के 30 से 60 रुपये के बीच मिलता है। अच्छा है कि किसान इसे अच्छे दामों में बेच सकते हैं।